www.naidunia.com | नईदुनिया | 19
इंदौर, बुधवार 09 अप्रैल 2014

साइबर सिक्योरिटी पर आयोजित सेमिनार में बोले वक्ता

'35 फीसद कॉलेज स्टूडेंट्स साइबर क्रिमिनल'

इंदौर। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की पिछले साल की रिपोर्ट के अनुसार जाने-अनजाने 35 प्रतिशत कॉलेज स्टूडेंट्स और 5 प्रतिशत हाई स्कूल स्टूडेंट्स साइबर क्राइम में इनवॉल्व होते हैं। इसका मतलब यह नहीं कि यह सारे स्टूडेंट्स वाकई अपराधी हैं और जानबूझकर उन्होंने कोई अपराध किया है, बल्कि यह सब साइबर अवेयरनेस की कमी के कारण अनजाने में ही अपराध कर बैठते हैं। ऐसे में कई बार मासूम बच्चों और युवाओं को कानूनी कार्रवाई से भी गुजरना पड़ता है। इससे बचने का एक ही उपाय है वह है जागरूकता। यह जानकारी आईजी (पीआरटीएस) वरूण कपूर ने साइबर सिक्योरिटी पर आयोजित वर्कशॉप में दी। यह वर्कशॉप संघवी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंस के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग में आयोजित हुई।

साइबर सिक्योरिटी पर सेमिनार में कई बहुपयोगी जानकारियां दी गईं।

वाई-फाई के दुरुपयोग के प्रति सजग रहें

आईजी ने बताया कि स्टूडेंट्स सोशल नेटवर्किंग साइट पर बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार के लेख, कविता, कमेंट, फोटो या वीडियो पोस्ट शेयर, लाइक और कमेंट करते हैं। उन्हें यह जानकारी ही नहीं होती कि ऐसी कोई भी सामग्री जो किसी की भावनाओं या सम्मान को ठेस पहुंचाए, उसे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के फंक्शन का यूज करते हुए सर्कुलेट करना साइबर क्राइम के तहत आता है। उन्होंने वाई-फाई के दुरुपयोग एवं सॉफ्टवेयर पायरेसी के प्रति सजग रहने के लिए भी प्रेरित किया। साथ ही कहा कि स्टूडेंट्स में साइबर सिक्योरिटी पर जागरुकता लाने के उद्देश्य से ही हम स्टूडेंट्स के बीच जाते हैं। इस मौके पर एक्टिव सेमिनार में पार्टिसिपेट करने वाले स्टूडेंट्स आयुष जैन और गौरव बागोरा को श्रीकपूर ने सम्मानित करते हुए प्रमाण पत्र भी दिए।